दैनिक
# न्याय साक्षी

संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-
खाना खजाना- राशिफल

रायगढ़, रविवार 21 अप्रैल 2019

www.nyaysakshi.com



## संपादकीय

### अली-बली खलबली की परवाज

पांच साल बाद राजपथ के एक मुरझाए हुए पेड़ पर तोता और मैना की फिर से मुलाक़ात हुई। दोनों ने पिछली मुलाक़ात में ही पांच साल बाद पुन~ इसी पेड़ पर मिलने का वादा किया था। तब से विकास के लिए पेड़ को काटने व जड़ से उखाड़ने की कई कोशिशें हुईं लेकिन पेड़ की जड़ें बहुत गहरी थीं, अतएव उसका अस्तित्व बचा रहा। दोनों ने चोंच मिलाकर एक-दूसरे की कुशलक्षेम पूछी। मैना बोली-सखे, देश का मौसम कितना बदल गया हैज्पुरवैया और पछुआ हवाएं तक ज़हरीली हो गई हैं। हवा में बदजुबानी की कॉर्बन मोनो आक्साइड घातक लेवल से ऊपर जा पहुंची है। धर्म के नाइट्राइट आंखों में जलन पैदा कर रहे है। संस्कारहीनता के लेड-कण पूरे नर्वस सिस्टम को नुक़सान पहुंचा रहे हैं, ऐसा क्यों हो रहा है।तोता ने मैना को प्यार से देखा-सखी, देश में इस समय चुनाव चल रहे हैं। चुनावों में ऐसा होता ही है। 'लेकिन ऐसा पहले कभी न देखा, न सुना। कोई अपनी प्रतिद्वन्द्वी को नचनिया बोल रहा है, कोई अदना-सा राज्य अध्यक्ष किसी पार्टी अध्यक्ष को मंच से गाली दे रहा है। कोई संन्यासी अली-बली करके खलबली मचा रहा है तो एक मंत्राणी जी एक ख़ास समुदाय के वोटरों को धमका रही हैं कि उनको वोट नहीं तो उनका काम नहीं।' मैना का स्वर पीड़ा से सिक्त था।-सखी, इतना भावुक न हो। जनता सब देख रही है। तोता बोला।

मैना बोली-सखे, ये नेता लोग किस पोखर का पानी पीते हैं जो इतनी निर्लज्जता से उच्च स्वर में धाराप्रवाह गालियां दे लेते हैं। कौन-सा टूथपेस्ट इस्तेमाल करते हैं जो अमर्यादित बातें बोलने के बाद भी दांत निपोरने में ज़रा-सा संकोच नहीं करते।

तोता बोला-ये बड़ा कठिन प्रश्न है प्रिय। गब्बर सिंह जिस तरह कभी यह पता नहीं कर सका कि बसंती किस चक्की का पीसा आटा खाती है, उसी तरह उस पोखर के बारे में बता पाना भी संभव नहीं है। मैना बोली-अच्छा सखे, इतना तो पता ही होगा कि ये नेता आख़रि इतना झूठ कैसे बोलते हैं।तोते ने जवाब दिया-सखी, नेताओं को न क़ानून का डर है और न कौवों का। पिछले दिनों एक कौवा अपनी लहूलुहान चोंच दिखाते हुए रो रहा था। झूठ बोले कौवा काटे मुहावरे ने उसका जीना मुश्किल कर दिया है। काकभुशुंडि जी के उकसाने पर वह एक छुटभैया नेता को काटने चला गया और अपनी चोंच तुड़वा कर वापस आ गया।अरे ऐसा हुआ उसके साथ। मुझे भी खतरा नजर आ रहा है। बाय -बाय सखे कहते हुए मैना फुर्र से उड़ गई। तोता उदास हो सोचने लगा-मैना बीच में ही छोड़कर चली गई इस बार। बिना कोई वादा किए पर मैं पांच साल बाद फिर लौट कर आऊंगा सखी और इसी डाल पर तुम्हारा इन्तजार करूंगा। वह दूसरी दिशा में उड़ गया पर उसके पंखों में पहले जैसी परवाज नहीं थी।

# खुशहाल जीवन के लिए धरती को बचाइये

ब्रिटिश जल कंपनियों की प्रतिनिधि संस्था 'वाटर यूके' के चीफ एक्जीक्यूटिव माइकल राबर्ट्स ने भविष्यवाणी की है कि ब्रिटेन में 2050 तक पीने का पानी खत्म हो जाने की आशंका है। दूसरी ओर भारत के नीति आयोग के अनुसार देश की 60 करोड़ आबादी भीषण जल संकट से जूझ रही है। शुद्ध पेयजल नहीं मिलने के कारण हर वर्ष करीब दो लाख लोग मौत का शिकार हो रहे हैं। आने वाले वर्षों में यह संकट और भी गहरा होने वाला है।

ईंधन संकट के चलते तेल के कुओं को खोज-खोज कर उन्हें खाली किया जा रहा है। अन्य संसाधनों की जमकर खुदाई कर इनसानी जरूरतों का विशाल कुआं भरने की कोशिश की जा रही है लेकिन हमारी जरूरतें सुरसा के मुंह के समान बढ़ती ही जा रही हैं। पृथ्वी की सतह से लेकर गर्भ तक भरे अथाह संसाधनों के भंडार कम पड़ने लगे हैं। आज जब पृथ्वी के अस्तित्व पर संकट मंडराने लगा है तो विकास की प्रचलित परिभाषा पर बहस जरूरी जान पड़ती है। विकास सदियों पहले से हमारी सभ्यताओं का हिस्सा रहा है। हमारी प्राचीन सभ्यताओं, जिनके धुंधले अवशेष मिले हैं, में विकास का पैमाना लोगों के जीवन की खुशहाली से मापा जाता था। उनमें पर्यावरण के प्रति अप्रतिम जागरूकता विद्यमान थी। उनके जीवन की खुशहाली में पर्यावरण संरक्षण एवं उससे प्रेम भी शामिल था। इसलिए तो अनगिनत बाग, तालाब, नहर-पोखर जल संरक्षण के साधन, इन सभ्यताओं का हिस्सा थे।

आज विकास सम्पदा और सपन्नता मात्र संसाधनों का दोहन और भंडारण का प्रतीक बनकर रह गया है। विस्तार यानी धरती के कोने-कोने यहां तक कि अंतरिक्ष में इनसानों की सहज पहुंच। इनसान ने अपना दंभ और श्रेष्ठता दिखाने के लिए एवरेस्ट को भी नीचे झुकने पर मजबूर कर दिया। वहां भी अपनी तरक्की के तमाम निशान लाशों और इक्यूपमेंट के रूप में छोड़ना जारी रखे हुए है। लाखों-करोड़ों साल से इनसान पृथ्वी पर राज करता आया है। लेकिन आश्चर्य की बात है कि जो संसाधन इतनी सदियां गुजर जाने के बाद भी पृथ्वी पर प्रचुर मात्रा में मौजूद रहे, वे अचानक बीती सदी के बोझ तले दबकर सिकुड़ क्यों गए। हमारी जरूरतें आखिर इतनी कैसे बढ़ गईं कि धरती का हर एक कोना हमारी बढ़ी भूख को शांत करने के लिए निचोड़ा जाने लगा। दरअसल, हमारी बढ़ी हुई भूख हमारा लालच है, हवस है। महात्मा गांधी ने कहा था कि पृथ्वी हर किसी की जरूरत पूरी कर सकती है, लेकिन लालच नहीं। हमने अपने विकास के मॉडल में नदियों के जीवन, उसके जल की गुणवत्ता, हवाओं का स्वास्थ्य, जमीन की उर्वरता और संसाधनों को बचाए रखने की महत्ता को कहीं स्थान ही नहीं दिया। एक से ज्यादा कारें रखना, चार-चार बंगले रखना, जरूरत से ज्यादा पर्यटन को बढ़ावा पृथ्वी और इसके पर्यावरण के अधिकारों का हनन ही तो है। इनसानों ने संविधान बनाकर अपने जीने के लिए मूलभूत अधिकार तो निर्धारित कर लिये लेकिन ऐसे ही मूलभूत अधिकार पृथ्वी के लिए क्यों नहीं बनाए गए? यदि मनुष्य स्वयं को सृष्टि की सर्वश्रेष्ठ रचना मानता है और पृथ्वी के संसाधनों का उपयोग करने का पहला हकदार तो इस सृष्टि को बचाने की जिम्मेदारी भी तो उसी की बनती है। ऐसी कौन-सी नींद है जो दो कमरों के मकान में पूरी नहीं हो सकती। ऐसी कौन-सी भूख है जो घर की बनी चार रोटियां शांत न कर सकें। मतलब साफ है। प्रकृति ने हमें हर परिस्थिति में संतुष्टि मिलने का अनोखा गुण प्रदान किया मगर हमने तरक्की के नाम पर धरती को नष्ट करने का नायाब तरीका खोज निकाला। आज पृथ्वी को बचाने के लिए इनसान को धरती की प्रतिक्रिया से भयभीत होने की जरूरत है। उस दिन की कल्पना करने की जरूरत है, जिस दिन धरती ने अन्न उपजाने से इनकार कर दिया। पेड़ों ने फल देने से। नदियों ने पानी। हवाओं ने ऑक्सीजन।

## इंडिगो एयरलाइन को मिलेगा जेट एयरवेज की बर्बादी का ज्यादा फायदा

**नई दिल्ली।** देश की सबसे बड़ी विमान सेवा कंपनी इंडिगो आसमान पर राज करने की तरफ उन्मुख है, क्योंकि इसकी प्रतिद्वंद्वी एयरलाइन जेट एयरवेज की बर्बादी का सबसे ज्यादा फायदा इसे ही मिलने वाला है। उद्योग के एक एग्जिक्यूटिव ने बताया, सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी को सर्वाधिक फायदा मिलेगा। इसलिए इंडिगो को एयर ट्रैफिक का एक बड़ा हिस्सा मिलेगा। साथ ही, आने वाले महीनों और वर्षो में इसकी क्षमता में विस्तार की योजना है।

पीडब्ल्यूसी के पार्टनर धीरज माथुर ने कहा कि जिसके पास ज्यादा विमान और चालक दल होंगे, उसको सबसे ज्यादा फायदा मिलेगा। इंडिगो के पास वर्तमान में 200 विमानों का बेड़ा है और यह रोजाना



1,400 उड़ानों का परिचालन करती हैं। ये उड़ानें 53 घरेलू और 18 अंतर्राष्ट्रीय गंतव्य स्थानों के लिए हैं। घरेलू बाजार में इसकी बाजार हिससेदारी 43.4 फीसदी है और इसके बेड़े की विस्तार योजना काफी प्रगतिशील है।

घरेलू बाजार में क्षमता और वर्तमान बाजार हिस्सेदारी की बात करें तो स्पाइसजेट दूसरी सबसे ज्यादा फायदे में रहने वाली एयरलाइन कंपनी रहेगी।

## दैनिक खर्च के लिए स्पोर्ट्स बाइक बेचने को मजबूर हुआ जेट एयरवेज का पायलट

**नई दिल्ली।** अस्थाई रूप से परिचालन बंद कर चुकी एयरलाइन जेट एयरवेज के कर्मचारियों की मुश्किलें दिन पर दिन बढ़ती जा रही हैं और उनके वित्तीय संकट का आलम यह है कि आकर्षक वेतन पाने वाला जेट एयरवेज का एक पायलट अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए अपनी रेसिंग बाइक तक बेचने को मजबूर हो गया है। जिन तकनीकी कर्मियों का तबादला दूसरे शहरों में हो चुका है, उनको अपने परिवारों से मिलने के लिए ट्रेनों से यात्रा करनी पड़ रही है, क्योंकि उनकी यात्रा के लिए कोई उड़ान उपलब्ध नहीं है।

## तीन दिनों के विराम के बाद फिर बढ़ें डीजल के दाम, पेट्रोल स्थिर

**नई दिल्ली।** तीन दिनों के विराम के बाद डीजल के दाम में शनिवार को वृद्धि दर्ज की गई, जबकि पेट्रोल के दाम स्थिर रहे। तेल विपणन कंपनियों ने एक दिन पहले ही पेट्रोल के दाम में वृद्धि की थी, जिसके बाद अब डीजल के दाम में बढ़ोतरी की गई है।

पेट्रोल के दाम दिल्ली और कोलकाता में आठ पैसे, जबकि मुंबई और चेन्नई में नौ पैसे प्रति लीटर बढ़ गए हैं। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के अनुसार, दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में पेट्रोल के दाम पूर्ववत क्रमशः 73 रुपये, 75.02 रुपये, 78.57 रुपये और 75.77 रुपये प्रति लीटर रहे। हालांकि, चारों महानगरों में डीजल के दाम बढ़कर क्रमशः 66.39 रुपये, 68.13 रुपये, 69.49 रुपये और 70.10 रुपये प्रति लीटर बने रहे। तेल विपणन कंपनियों ने शुक्रवार को दिल्ली, कोलकाता और मुंबई में पेट्रोल के भाव में सात पैसे, जबकि चेन्नई में आठ पैसे प्रति लीटर की वृद्धि की थी।

## एशियाई चैम्पियनशिप में भारतीय खिलाड़ियों की सधी शुरुआत

**बैंकॉक।** भारतीय मुक्केबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए शुक्रवार से यहां शुरू हुए एशियाई मुक्केबाजी चैम्पियनशिप के पहले दिन सधी हुई शुरुआत की। विश्व चैम्पियनशिप की रजत पदक विजेता सोनिया चहल ने महिलाओं के 75 किलोग्राम भारवर्ग में वियतनाम की डो न्हा युआन को 5-0 से हराते हुए चार्टर फाइनल में जगह बनाई। उनके अलावा चार अन्य भारतीयों ने पहले दिन विजयी शुरुआत की।

महिला एशियाई चैम्पियनशिप का आयोजन पहली बार पुरुष चैम्पियनशिप के साथ हो रहा है। बीते संस्करण में भारतीय महिलाओं ने सात पदक जीते थे, जिनमें एक स्वर्ण, एक रजत और पांच कांस्य थे। माकरान कप में स्वर्ण जीतने वाले दीपक ने पुरुषों के 49 किग्रा में वियतनाम के लोई बुई कोंग डान को 5-0 से मात दी और प्री-चार्टर फाइनल में जगह सुरक्षित की। 64 किग्रा में किंग्स कप में कांस्य पदक जीतने वाले रोहित टोकस ने अपनी स्मार्ट डिफेंसिल स्ट्रेटजी की बदौलत ताइवान के चू इन लाई को 5-0 से शिकस्त दी और प्री-चार्टर फाइनल में पहुंच गए। आशीष (69 किग्रा) ने भी शानदार अंदाज में अपना सफर शुरू किया और कैमरून के वीवाई सोफोर्स को 5-0 से हराते हुए अंतिम-16 में जगह बना ली। प्लस-91 किग्रा में एशियाई खेल कांस्य पदक विजेता सतीश कुमार ने ईरान के इमान आर को बेहतरीन खेल की बदौलत 5-0 से हराते हुए।

## हार्दिक-राहुल पर लगा 20-20 लाख का जुर्माना

**नई दिल्ली।** टीवी चैट शो (कॉफी विद करण) पर विवादस्पद बयान देने के मामले में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के



लोकपाल डी.के. जैन ने क्रिकेटर हार्दिक पांड्या और सलामी बल्लेबाज लोकेश राहुल को ड्यूटी पर शहीद हुए अर्धसैनिक बलों के 10 जवानों की विधवाओं को एक-एक लाख रुपये जुर्माने के रूप में देने का आदेश दिया है। लोकपाल ने जुर्माने की इस राशि के अलावा उन्हें ब्लाइंड क्रिकेट के प्रचार के लिए बनाए गए फंड में भी 10-10 लाख रुपये देने का आदेश दिया है। रिपोर्ट मे लोकपाल ने यह भी कहा है कि यदि दोनों खिलाड़ी आदेश जारी होने के चार सप्ताह के अंदर ऐसा करने में विफल रहते हैं तो बीसीसीआई दोनों खिलाड़ियों की मैच फीस में से यह राशि काट सकता है। लोकपाल ने कहा कि इन दोनों खिलाड़ियों को आस्ट्रेलिया दौरे से वापस भेज दिया गया था।

## जब कोहली जैसा बल्लेबाज हो तो क्या कहने : कार्तिक

**कोलकाता।** रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के हाथों 10 रन से मिली करीबी हार के बाद कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान दिनेश कार्तिक ने मैच में शतकीय पारी खेलने वाले बेंगलोर के कप्तान विराट कोहली की जमकर तारीफ की है।कोलकाता को शुक्रवार रात यहां ईडन गार्डन्स मैदान पर खेले गए मुकाबले में नीतीश राणा (नाबाद 85) और आंद्रे रसेल (65) की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी के बावजूद 10 रनों की करीबी हार झेलनी पड़ी।

कार्तिक ने मैच के बाद कहा, मुझे लगता है कि उन्होंने 20-25 रन ज्यादा बना लिए थे। जब विराट कोहली जैसा बल्लेबाज आपके पास हो तो क्या कहने।

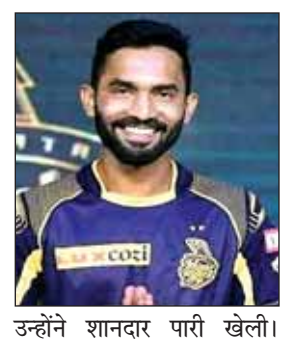



उन्होंने शानदार पारी खेली। कोहली ने 58 गेंदों पर 100 रन की शतकीय पारी में नौ चौके और चार छक्के लगाए।

कार्तिक ने कोहली के साथ-साथ मैच में 28 गेंदों पर पांच चौके और छह छक्के की मदद से 66 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेलने वाले मोइन अली भी तारीफ की।

## आज का राशिफल

मेषः अगर कोई नया कार्य, रोजगार आदि शुरू करने की सोच रहे हैं तो अवश्य करें, सफलता अवश्य मिलेगी। अविवाहितों के विवाह की बात आगे बढ़ेगीं।

वृषभः ग्रह नक्षत्र आपको संघर्ष के बाद सफलता दिलाएंगे, कोई नया ऑर्डर अथवा कॉन्ट्रैक्ट मिलने की संभावना है। शत्रु बलहीन रहेंगें, उन्नति कारक दिन, आय-संपत्ती के लिए शुभ।

मिथुनः आज अपनी प्रतिभा का पूर्ण लाभ ले सकेंगे, नई योजनाएं लाभ देंगी, मनोरंजन कार्य पर खर्च, प्रेम प्रसंग में सफलता।

कर्कः क्रोध पर नियंत्रण रखें, अनावश्यक वाद-विवाद से बचें, मन आज बेचैन हो सकता है। स्वास्थ्य के प्रति सावधान रहें।

सिंहः आज आपके परा म में वृद्धि होगी, मनोबल बढ़ेगा, मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि का योग है, शुभ दिन।

कन्याः आज लेन-देन के कार्यों में सावधान रहें, आज किसी को उधार न दें क्योंकि आज दिए हुए धन को वापस आने की संभावना कम है।

तुलाः आज प्रयास अथवा स्वयं कोशिश करने से प्रत्येक कार्य में सफलता मिलेगी। धार्मिक स्थल की यात्रा, मनोरंजन कार्यों पर खर्च।

वृश्चिकः आज खर्च की अधिकता रहेगी, किसी न किसी कारण से अनावश्यक खर्च, व्यर्थ की यात्रा भी हो सकती है।

धनुः आज आपका मन प्रसन्न रहेगा, प्रिय व्यक्ति से मुलाकात, तीर्थस्थल का दर्शन, आनन्द दायक दिन।

मकरः प्रतिष्ठा में वृद्धि, कार्यों में रूचि, सफलता एवं नई योजना भरा दिन, सुख के साधन बढ़ेंगे।

कुंभः आज आपकी धार्मिक प्रवृत्ति बढ़ेगी, मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। विरोधी परास्त होंगें, यात्रा लाभकारी रहेगी, मंगलमय दिन रहेगा।

मीनः सावधानी पूर्वक कार्य आज आपको सफलता दिलाएगा। आज ध्यान देकर कार्य करें, जरा सी लापरवाही आपको नुकसान पहुंचा सकती है, यात्रा न करें, वाहन धीमी गति से चलाएं।

## राइस पालक चाट

### सामग्री :



10 पालक के पत्ते, इ कप बेसन, 2 ट`बलस्पून चावल का आटा, द ट ीस्पून अजवाइन, द टेबलस्पून हल्दी पाउडर, इ टीस्पून लाल मिर्च पाउडर, इ टीस्पून धनिया पाउडर, नमक स्वादानुसार, 1/3 कप पानी, तेल ावश्यकतानुसार

### चाट की सामग्री

कुछ अनार के दाने, थोड़ा सा चाट मसाला, 1 कप दही, जीरा पाउडर, थोड़ी सी सोंठ या मीठी चटनी

### विधि :

सबसे पहले एक बोल में बेसन, चावल का आटा, अजवाइन, नमक, हल्दी, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर और पानी डालकर अच्छी तरह गाढ़ा घोल तैयार करें।

पालक के पत्ते को अच्छी तरह साफ कर व धोकर कपड़े से पोंछ लें।

कड़ाही में तेल डालकर गर्म करें। पालक के पत्ते को घोल में अच्छी तरह डुबोएं और सीधा कड़ाही में डाल दें।

प्लेट में एब्जॉर्बेंट पेपर पर डीप फ्राइड पालक को निकालें।

पालक के पत्ते पर चाट की सारी सामग्री को एक-एक कर डालें। इसे तुरंत सर्व करें।

## शब्द सामर्थ्य-40

**बाएं से दाएं**

1. खूब कसा हुआ, फूर्तिला, जो शिथिल व आलसी न हो 3. सार्वजनिक स्थान, संस्था, अस्तित्व, समिति 4. पौरुष, पुरुषत्व, मर्द होने का भाव 6. अंधेरा, अंधकार 7. लिपाई करना 9. शरीर, काया, जिस्म 10. मां के पिता, विभिन्न 12. महीना, मास 14. प्रियतम, बलमा, सजना 15. पांडवों का सबसे छोटा भाई 17. नशा, घमंड, खाता 19. वनोपज, वन से प्राप्त सामाग्री 21. शक्तिशाली, बलवान 24. तीव्र इच्छा 25. हथेली।

**ऊपर से नीचे**

1. निंदा, बुराई 2. निर्जीव, निष्प्राण 3. ध्वनियों या स्वरों का विशिष्ट लय में प्रस्फुटन, धुन, म्युजिक 4. झुका हुआ, विनीत 5. रूठे हुए को प्रसन्न करना, राजी करना 8. आश्रय, शरण 11. जन्म, जिंदगी 12. इंसानियत, मनुष्यता 13. रास्ता, मार्ग 14. एक हिंदी महीना, श्रावण 15. सपाट, जो उबड़-खाबड़ न हो 16. पति का छोटा भाई 18. गहरा कीचड़, पंक 20. आत्मा, अंतःकरण (उ.) 22. बीता हुआ या आने वाला दिन 23. बगुला।

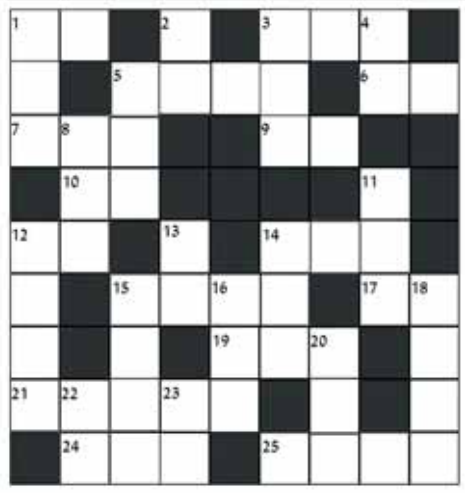



**शब्द सामर्थ्य क्रमांक 39 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| गु | मा | न | | | प | यो | द | |
| न | | ह | क | दा | र | | ल | य |
| ह | वा | ला | त | | च | | द | म |
| गा | | | रा | ज | म | ह | ल | |
| र | ई | स | | ग | | स | | अ |
| | मा | | प | त | वा | र | | ल |
| ख | न | क | ना | | ह | त | | बे |
| स | दा | | ह | | वा | | शो | ला |
| रा | र | | | | ही | र | क | |

## सू-दोकू-40

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 6 | 3 | | 8 | | 1 | | 4 |
| 8 | | | 3 | | 4 | | 7 | |
| | 4 | | | 5 | | 8 | | |
| 3 | | 8 | | | 1 | | 4 | |
| | 1 | | | 4 | | 9 | | 7 |
| | | 4 | | | 2 | | 1 | |
| 1 | | | | 3 | | 4 | | 8 |
| | 8 | | 2 | | 9 | | 3 | |
| | | 9 | | 1 | | 2 | | 5 |

**नियम**

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

**सू-दोकू क्र.39 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 6 | 7 | 9 | 2 | 4 | 5 | 3 | 1 | 8 |
| 2 | 1 | 8 | 3 | 7 | 6 | 9 | 5 | 4 |
| 7 | 6 | 4 | 5 | 2 | 8 | 1 | 3 | 9 |
| 3 | 8 | 1 | 6 | 9 | 7 | 2 | 4 | 5 |
| 9 | 2 | 5 | 4 | 1 | 3 | 8 | 6 | 7 |
| 8 | 3 | 7 | 9 | 6 | 4 | 5 | 2 | 1 |
| 5 | 4 | 2 | 8 | 3 | 1 | 7 | 9 | 6 |
| 1 | 9 | 6 | 7 | 5 | 2 | 4 | 8 | 3 |
| 4 | 5 | 3 | 1 | 8 | 9 | 6 | 7 | 2 |